छोटे फुहारे के पास कौन खड़ा देख रहा था?

उत्तर:

छोटे फुहारे के पास एक लड़का चुपचाप शरबत पीने वालों को देख रहा था।

लेखक ने छोटे जादूगर को कैसी वेश–भूषा में देखा?

उत्तर:

लेखक ने देखा कि उसके गले में फटे कुर्ते के ऊपर से एक मोटी–सी सूत की रस्सी पड़ी थी और जेब में कुछ ताश के पत्ते थे। उसके मुँह पर गंभीर विषाद के साथ धैर्य की रेखा थी। जिसमे अभाव में भी संपूर्णता थी।



Edit with WPS Office

इन सबके बावजूद जादूगर की वाणी में क्या नहीं थी?

उत्तर:

इन सबके बावजूद जादूगर की वाणी में प्रसन्नता नहीं थी।

'छोटा जादूगर' कहानी के लेखक कौन हैं?

उत्तर:

'छोटो जादूगर' कहानी के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं।



Edit with WPS Office

"मुझे शरबत न पिलाकर आपने मेरा खेल देखकर मुझे कुछ दे दिया होता, तो मुझे अधिक प्रसन्नता होती। छोटे जादूगर ने लेखक से ऐसा क्यों कहा?

उत्तर:

छोटे जादूगर ने लेखक से ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उस वक्त उसे शरबत नहीं बल्कि अपनी माँ के इलाज के लिए दवा व पथ्य की आवश्यकता थी साथ ही उसे अपने लिए भोजन की जरूरत थी।

छोटे जादूगर का रंगमंच कहाँ सजा था?

उत्तर:

छोटे जादूगर का रंगमंच निर्मल धूप में सड़क के किनारे सजा था।



Edit with WPS Office

ताश के पत्ते किस-किस रंग के थे?

उत्तर:

ताश के पत्ते पहले तो लाल रंग के और बाद में काले रंग के हो गये थे।

छोटा जादूगर किसको कहा गया है?

उत्तर:

छोटा जादूगर तेरह- चौदह वर्ष के एक बालक को कहा गया है जो खेल-तमाशे दिखाकर अपनी जीविका चलाता था।



Edit with WPS Office